अटल बिहारी वाजपेयी

शोक संदेश

श्री नानाजी देशमुख के निधन से एक समर्पित समाजसेवी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जीवनव्रती प्रचारक, वरिष्ठ राजनेता और एक कर्मयोगी दृष्टा हमारे बीच से चला गया।

नानाजी देशमुख के साथ मुझे भी काम करने का सौभाग्य मिला। भारतीय जनसंघ में हमने साथ-साथ काम किया। अभावों और विरोधों के बीच अनुकूलता निर्माण करना उनका सहज गुण था। चुनौतियों से दो-दो हाथ करने में वे दक्ष थे। उनके व्यक्तित्व में चुम्बकीय आकर्षण था, जो उनके सम्पर्क में आया, वह उनका होकर रह गया।

वे एक योद्धा थे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के साथ आंदोलन में जुटे। आपातकाल में लोकतंत्र के लिए भूमिगत संघर्ष में सक्रिय रहे और बाद में सामाजिक विषमताओं से लड़ना जारी रखा और अंतिम सांस तक सक्रिय रहे। वे मूलतः रचनाधर्मी सामाजिक कार्यकर्ता थे। राजनीति से स्वैच्छिक तौर पर अलग होकर उन्होंने एक आदर्श प्रस्तुत किया। गोण्डा व चित्रकूट जैसे भारतीय स्वावलम्बी मॉडल बनाकर उन्होंने अपनी रचनात्मकता को साकार किया।

उनके निधन से समाज और विशेष रूप से मेरी निजी क्षति हुई है।

मैं उनके प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे।

नई दिल्ली
27 फरवरी 2010

6A, Krishna Menon Marg, New Delhi 110011 India
Tel.: +91 11 23015308, 23793877 Fax: +91 11 23794612